अध्याय ~6

समास

शब्द-प्रयोग में संक्षिप्तता पर बल होता है। अतः शब्दों को पास-पास लाने की प्रक्रिया से ही समास का जन्म हुआ। समास शब्द के स्तर की प्रक्रिया है। इसमें एक से अधिक शब्द मिलकर एक नए शब्द का निर्माण करते हैं।

000

- समास दो शब्दों के मेल से बना है—सम (संक्षिप्त) + आस (कथन), जिसका अर्थ होता है—संक्षिप्तीकरण करना।
- जब दो या दो से अधिक शब्दों के परस्पर सम्बन्ध के मेल से नए सार्थक शब्द का निर्माण होता है, तो उसे समास कहते हैं।
- समास के नियमों के द्वारा निर्मित पद समस्त पद या सामासिक पद कहलाता है।
- समास विग्रह सामासिक शब्दों के बीच के सम्बन्धों को स्पष्ट करना समास विग्रह कहलाता है। अन्य शब्दों में, किसी सामासिक पद के (समस्त पद) सभी पदों को अलग-अलग किए जाने की प्रक्रिया समास विग्रह कहलाती है; जैसे—'चरणकमल' का विग्रह है 'कमल के समान चरण' तथा 'नीलकण्ठ' का विग्रह है 'नीला है जो कण्ठ' या नीला है कण्ठ जिसका।
- समास में प्राय: दो पद पूर्वपद (पहला पद) तथा उत्तरपद (दूसरा पद) होते हैं; जैसे—'प्रतिदिन' में पूर्वपद 'प्रति' तथा उत्तरपद 'दिन' है।
- समास प्रक्रिया के द्वारा दो पदों के बीच की विभिक्त का लोप हो जाता है;
 जैसे—'दयासागर' एक सामासिक पद है। इसका समास विग्रह 'दया का सागर' होगा। इस उदाहरण में 'दया' और 'सागर' इन दो शब्दों का परस्पर सम्बन्ध बताने वाले 'का' प्रत्यय का लोप हो गया और एक स्वतन्त्र शब्द 'दयासागर' बन गया।

समास के प्रकार

समास के मुख्यत: छ: प्रकार होते हैं

1. अव्ययीभाव समास 2. तत्पुरुष समास 3. कर्मधारय समास

4. द्विगु समास 5. द्वंद्व समास 6. बहुब्रीहि समास

पदों की प्रधानता के अनुसार समास को निम्न भागों में विभाजित किया गया है

• पूर्वपद प्रधान — अव्ययीभाव समास

उत्तरपद प्रधान — तत्पुरुष, द्विगु, कर्मधारय समास

• दोनों पद प्रधान — द्वंद्व समास

• दोनों पद अप्रधान — बहुव्रीहि समास (अन्य तीसरा अर्थ प्रधान)

1. अव्ययीभाव समास

जिस समास में **पूर्वपद** (पहला पद) अव्यय तथा प्रधान या उपसर्ग हो, अव्ययीभाव समास कहलाता है। अव्यय वह पद होता है, जिसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता। यह वाक्य में क्रिया-विशेषण का कार्य करता है। पहचान का नियम जहाँ वाक्य में पहला पद आ, अनु, भर, प्रति, यथा, हर आदि हो, वहाँ अव्ययीभाव समास (Adverbial Compound) होता है; जैसे—

पूर्वप	द	उत्तरपद		समस्त पद	विग्रह
यथा	+	स्थान	=	यथास्थान	स्थान के अनुसार
यथा	+	समय	=	यथासमय	समय के अनुसार
प्रति	+	दिन	=	प्रतिदिन	प्रत्येक दिन
प्रति	+	कूल	=	प्रतिकूल	इच्छा के विरुद्ध
आ	+	जीवन	=	आजीवन	सम्पूर्ण जीवन
भर	+	पूर	=	भरपूर	पूरा भर के
भर	+	पेट	=	भरपेट	पेट भर के
निस्	+	संदेह	=	निस्संदेह	बिना संदेह के

2. तत्पुरुष समास

जिस समास में **पूर्वपद अप्रधान तथा उत्तरपद** (बाद वाला पद) **प्रधान** हो, तत्पुरुष समास (Determinative Compound) कहलाता है। इसमें दोनों पदों के बीच **कारक** का लोप रहता है।

तत्पुरुष समास के भेद

कारक लोप के आधार पर तथा विभक्तियों के नामों के अनुसार तत्पुरुष समास के छर भेट हैं

(i) कर्म तत्पुरुष (द्वितीय तत्पुरुष) जहाँ कर्म कारक की विभिक्त 'को' का लोप हो; जैसे—

समस्त पद		विग्रह
मतदाता	=	मत को देने वाला
गिरहकट	=	गिरह को काटने वाला
ग्रामगत	=	ग्राम को गया हुआ
यशप्राप्त	=	यश को प्राप्त
ग्रन्थकार	=	ग्रन्थ को लिखने वाला
माखनचोर	=	माखन को चुराने वाला
सम्मानप्राप्त	=	सम्मान को प्राप्त
स्वर्गगत	=	स्वर्ग को गया हुआ
गगनचुम्बी	=	गगन को चूमने वाला
रथचालक	=	रथ को चलाने वाला
चिड़ीमार	=	चिड़ियों को मारने वाला
जेबकतरा	=	जेब को कतरने वाला

(ii) करण तत्पुरुष (तृतीय तत्पुरुष) जहाँ करण कारक की विभिक्तयों 'से' एवं 'के द्वारा' का लोप हो; जैसे—

समस्त पद विग्रह

जन्मजात = जन्म से उत्पन्न मुँहमाँगा = मुँह से माँगा गुणहीन = गुणों से हीन शोकाकुल = शोक से आकुल करुणापूर्ण = करुणा से पूर्ण कष्टसाध्य = कष्ट से साध्य

शराहत = शर (बाण) से आहत

मनचाहा = मन से चाहा भयाकुल = भय से आकुल वाल्मीकिरचित = वाल्मीकि द्वारा रचित सूरचित = सूरदास द्वारा रचित

(iii) सम्प्रदान तत्पुरुष (चतुर्थी तत्पुरुष) जहाँ सम्प्रदान कारक 'के लिए' चिह्न का लोप हो; जैसे—

समस्त पद विग्रह

हाथ के लिए कड़ी हथकड़ी सत्य के लिए आग्रह सत्याग्रह युद्ध के लिए भूमि युद्धभूमि प्रयोग के लिए शाला प्रयोगशाला रसोईघर रसोई के लिए घर यज्ञशाला यज्ञ के लिए शाला देशार्पण देश के लिए अर्पण छात्रों के लिए आवास छात्रावास विद्यालय विद्या के लिए आलय सभाभवन सभा के लिए भवन

(iv) **अपादान तत्पुरुष** (पंचमी तत्पुरुष) जहाँ अपादान कारक चिह्न 'से' (अलग होने का भाव) का लोप हो; जैसे—

समस्त पद	विग्रह	समस्त पद	विग्रह
धनहीन	= धन से हीन	दूरागत	= दूर से आगत
भयभीत	= भय से भीत	जलहीन	= जल से हीन
जन्मान्ध	= जन्म से अन्धा	पापमुक्त	= पाप से मुक्त
ऋणमुक्त	= ऋण से मुक्त	शोकग्रस्त	= शोक से ग्रस्त
गुणहीन	= गुण से हीन	मदांध	= मद से अन्धा
पथभ्रष्ट	= पथ से भ्रष्ट	धर्मविरत	= धर्म से विरत
रोगमुक्त	= रोग से मुक्त	राजद्रोह	= राजा से द्रोह

(v) सम्बन्ध तत्पुरुष (षष्ठी तत्पुरुष) जहाँ सम्बन्ध कारक चिह्न 'का', 'की', 'के' का लोप हो जाता है; जैसे—

समस्त पद विग्रह

प्रेमसागर = प्रेम का सागर दिनचर्या = दिन की चर्या भारतरत्न = भारत का रत्न भूदान = भू (भूमि) का दान राष्ट्रगौरव = राष्ट्र का गौरव पुष्पवर्षा = पुष्पों की वर्षा उद्योगपति = उद्योग का पति देशरक्षा = देश की रक्षा

गृहस्वामी = गृह (घर) का स्वामी पराधीन = दूसरों के अधीन

(vi) अधिकरण तत्पुरुष (सप्तमी तत्पुरुष) जहाँ अधिकरण कारक चिह्न 'में', 'पर' का लोप हो; जैसे—

समस्त पद विग्रह नीतिनिपुण नीति में निपुण आत्मविश्वास आत्मा पर विश्वास घुड़सवार घोड़े पर सवार गृह प्रवेश गृह में प्रवेश पर्वतारोहण पर्वत पर आरोहण जल में जन्मा जलज आप पर बीती आपबीती ग्रामवास ग्राम में वास नरोत्तम नरों में उत्तम जलसमाधि जल में समाधि

तत्पुरूष समास के उपभेद

तत्पुरुष समास के कुछ मुख्य उपभेद भी हैं

1. नज तत्पुरुष समास जिस समास में 'न' पूर्वपद में निषेधसूचक या नकारात्मक शब्दों का प्रयोग हो उसे नञ् तत्पुरुष समास कहते हैं। इसमें अ, अन्, गैर, ना आदि शब्दों का प्रयोग होता है; जैसे—

असभ्य न सभ्य नापसंद ना पसंद गैरवाजिब न वाजिब असम्भव न सम्भव अनिष्ट न इष्ट

2. **उपपद तत्पुरुष** ऐसा समास जिनका उत्तरपद भाषा में स्वतन्त्र रूप से प्रयुक्त न होकर प्रत्यय के रूप में ही प्रयोग में लाया जाता है; जैसे—

> नभचर नभ में विचरण करने वाला स्वर्णकार स्वर्ण (सोना) का काम करने वाला कृतज्ञ उपकार को मानने वाला

 लुप्तपद तत्पुरुष जब किसी समास में कोई कारक चिह्न अकेला लुप्त न होकर पूरे पद सहित लुप्त हो और तब उसका सामासिक पद बने तो वह लुप्तपद तत्पुरुष समास कहलाता है; जैसे—

ऊँटगाड़ी ऊँट से चलने वाली गाड़ी पवनचक्की पवन से चलने वाली चक्की वनमानुष वन में रहने वाला मानुष जलपोत जल पर चलने वाल पोत

4. अलुक् तत्पुरुष जिस समास में पहले शब्द के बाद कारक-चिह्न किसी-न-किसी रूप में उपस्थित हो, तो वहाँ अलुक् तत्पुरुष समास होता है; जैसे-'मृत्युंजय' में पहले शब्द 'मृत्युम्' में संस्कृत के कर्म कारक की विभक्ति 'म्' उपस्थित है; जैसे-

> युद्ध में (युधि:) स्थिर धनंजय धन (कुबेर) को जय करने वाला मनसिज मन में (मनिस) जन्म लेने वाला कर्मणिप्रयोग कर्म से सम्बन्धित (कर्मणि) प्रयोग

50 सामान्य हिन्दी

3. **कर्मधारय समास**

जिस समास में उत्तरपद प्रधान हो तथा पूर्वपद व उत्तरपद में विशेषण-विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का सम्बन्ध हो, वह कर्मधारय समास (Appositional Compound) कहलाता है। इस समास में विग्रह करने पर दोनों पदों (पूर्व व उत्तरपद) के मध्य 'के समान', 'है जो' आदि आते हैं; जैसे—

विशेषण-विशेष्य

समस्त पद		ावग्रह
कालीमिर्च	=	काली है जो मिर्च
नीलकमल	=	नीला है जो कमल
नीलकंठ	=	नीला है जो कंठ
महापुरुष	=	महान है जो पुरुष
महादेव	=	महान है जो देव
महावीर	=	महान है जो वीर
सज्जन	=	सत है जो जन
सद्गुण	=	सद् हैं जो गुण
पीताम्बर	=	पीत (पीला) है जो अम्बर
नील गगन	=	नीला है जो गगन
महात्मा	=	महान है जो आत्मा
लालटोपी	=	लाल है जो टोपी
पुरुषोत्तम	=	पुरुषों में है जो उत्तम

आधा है जो पका

श्वेत है जो अम्बर

कृष्ण है जो सर्प

उपमान-उपमेय

समस्त पद		विग्रह
चरणकमल	=	कमल के समान चरण
चन्द्रमुखी	=	चन्द्र के समान मुख वाली
कमलनयन	=	कमल के समान नयन
घनश्याम	=	घन के समान श्याम (काला)
लौहपुरुष	=	लौह के समास पुरुष
मृगलोचन	=	मृग के समान लोचन
चन्द्रमुख	=	चन्द्र के समान मुख
कनकलता	=	कनक के समान लता
प्राणप्रिय	=	प्राणों के समान प्रिय

4. द्विगु समास

अधपका

श्वेताम्बर

कृष्णसर्प

जिस समास में उत्तरपद प्रधान हो तथा पूर्वपद संख्यावाचक हो, द्विगु समास (Numeral Compound) कहलाता है; इसमें विग्रह करने पर समूह या समाहार का बोध होता है; जैसे—

समस्त पद		विग्रह
नवरत्न	=	नौ रत्नों का समूह
सप्तदीप	=	सात दीपों का समूह
सतमंजिल	=	सात मंजिलों का समूह
सप्ताह	=	सात दिनों का समूह
सप्तसिन्धु	=	सात सिन्धुओं सागरों का समूह
दोपहर	=	दो पहरों का समूह
चौराहा	=	चार राहों का समूह
त्रिलोक	=	तीन लोकों का समाहार

त्रिकोण = तीन कोणों का समूह त्रिभुवन = तीन भुवनों का समूह तिरंगा = तीन रंगों का समूह पंचमढ़ी = पाँच मढ़ियों का समूह

5. दुन्द्र समास

जिस समास में पूर्वपद और उत्तरपद दोनों ही प्रधान हों अर्थात् अर्थ की दृष्टि से दोनों का स्वतन्त्र अस्तित्व हो और उनके मध्य संयोजक शब्द (और, एवं, या, अथवा) का लोप हो, द्वन्द्व समास कहलाता है। अन्य शब्दों में जहाँ दो पदों के मध्य योजक चिह्न (—) का प्रयोग होता हो, तो द्वन्द्व समास (Copulative Compound) कहलाता है; जैसे—

समस्त पद		विग्रह
माता-पिता	=	माता और पिता
राम-कृष्ण	=	राम और कृष्ण
भाई-बहन	=	भाई और बहन
पाप-पुण्य	=	पाप और पुण्य
सुख-दु:ख	=	सुख और दु:ख
नदी-नाले	=	नदी और नाले
देश-विदेश	=	देश और विदेश
खरा-खोटा	=	खरा और खोटा
आचार-विचा	₹ =	आचार और विचार
उतार-चढ़ाव	=	उतार और चढ़ाव

द्वन्द्व समास के भेद

 इतरेतर द्वन्द्व ऐसे द्वन्द्व समास जिनमें दो पद 'और' से जुड़े हों तथा अपना अलग अस्तित्व रखते हों 'इतरेतर द्वन्द्व' कहलाते हैं। इस समास द्वारा निर्मित पद हमेशा बहुवचन में प्रयोग होते हैं, क्योंकि ये दो या दो से अधिक पदों के मेल से बने होते हैं; जैसे—

भाई और बहन भाई-बहन लड़का और लड़की लड़का-लड़की

 समाहार द्वन्द्व समाहार का शाब्दिक अर्थ समिष्ट या समूह होता है। जब द्वन्द्व समास के दोनों पद 'और' समुच्चयबोधक से जुड़े होने के पश्चात् भी अपना अलग-अलग अस्तित्व न रखकर एक ही समूह का बोध कराते हैं, समाहार द्वन्द्व कहलाते हैं: जैसे–

> दाल-रोटी अर्थात् भोजन के सभी मुख्य पदार्थ, धन-धनाढ़य अर्थात् सब तरह के धनी लोग।

 वैकल्पिक द्वन्द्व जिस द्वन्द्व समास में दो पदों के बीच 'या' 'अथवा' आदि विकल्पसूचक अव्यय छिपे हों, उसे वैकल्पिक द्वन्द्व कहते हैं। इसमें विपरीतार्थक शब्दों का योग होता है; जैसे—दिन-रात, पाप-पुण्य आदि

6. बहुव्रीहि समास

जिस समास में न तो पूर्व पद प्रधान होता है और न ही उत्तर पद प्रधान होता है अर्थात् कोई अन्य पद प्रधान होता है। वह बहुव्रीहि समास (Attributive Compound) कहलाता है; जैसे—

I		-/
समस्त पद		विग्रह
महात्मा	=	महान् आत्मा है जिसकी अर्थात् ऊँची आत्मा वाला
नीलकण्ठ	=	नीला कण्ठ है जिनका अर्थात् शिवजी
लम्बोदर	=	लम्बा उदर है जिनका अर्थात् गणेशजी
गिरिधर	=	गिरि को धारण करने वाले अर्थात् श्रीकृष्ण

त्रिलोचन = तीन लोचन (आँखों) वाला अर्थात् शिव दशानन = दस हैं आनन (मुख) जिसके अर्थात् रावण मुरधीधर = मुरली धारण करने वाला अर्थात् श्रीकृष्ण निशाचर = निशा (रात) में विचरण करने वाला अर्थात् राक्षस चतुर्मुख = चार हैं मुख जिसके अर्थात् ब्रह्म

समास में अन्तर

कर्मधारय और बहुव्रीहि समास में अन्तर

कर्मधारय समास में एक पद विशेषण या उपमान होता है और दूसरा पद विशेष्य या उपमेय होता है; जैसे—'लम्बोदर' में 'लम्बा' विशेषण तथा 'उदर' विशेष्य है। इसी प्रकार 'महात्मा' में 'महान' उपमान तथा 'आत्म' उपमेय है। अत: ये दोनों समास कर्मधारय समास के उदाहरण हैं।

जबिक बहुव्रीहि समास में समस्त पद ही किसी **संज्ञा के विशेषण** का कार्य करता है; जैसे—'गिरिधर', गिरि को धारण करने वाला है जो अर्थात् कृष्ण। यहाँ गिरिधर, कृष्ण (संज्ञा) का विशेषण है। इस प्रकार कह सकते हैं कर्मधारय और बहुव्रीहि समास के अन्तर को समझने के लिए इनके विग्रह पर ध्यान देना आवश्यक है; जैसे—

कमलनयन—कमल के समान नयन (कर्मधारय समास)

कमलनयन—कमल के समान नयन वाले अर्थात् विष्णु (बहुव्रीहि समास)

पीताम्बर—पीले हैं जो अम्बर (वस्त्र)—(कर्मधारय समास)

पीताम्बर—पीले अम्बर हैं जिसके अर्थात् कृष्ण—(बहुव्रीहि समास)

नीलकण्ठ-नीला है जो कण्ठ-(कर्मधारय समास)

नीलकण्ठ—नीला है कण्ठ जिसका अर्थात् शिव (बहुव्रीहि समास)

द्विगु और बहुवीहि समास में अन्तर

द्विगु समास का पूर्वपद (पहला पद) संख्यावाची विशेषण होता है, जो उत्तर पद (दूसरे पद) की संख्या बताता है। इसमें दूसरा पद विशेष्य होता है। जबिक बहुब्रीहि समास में प्रथम पद संख्यावाचक होने के बाद भी निष्क्रिय होकर द्वितीय पद के साथ मिलकर किसी तीसरे पद का निर्माण करता है। इस प्रकार बहुव्रीहि समास में समस्त पद ही विशेषण का कार्य करता है; जैसे—

चौमासा—चार मासों (महीनों) का समूह (द्विगु समास)

चौमासा—चार मासों का है जो अर्थात् वर्षा ऋतु का (बहुव्रीहि समास)

चतुर्भुज-चार भुजाओं का समूह (द्विगु समास)

चतुर्भुज—चार हैं भुजाएँ जिसकी अर्थात् विष्णु (बहुव्रीहि समास)

दशानन—दस आननों का समूह (द्विगु समास)

दशानन—दस आनन हैं जिसके अर्थात् रावण (बहुव्रीहि समास)

द्विगु और कर्मधारय में अन्तर

द्विगु समास में पहला पद **संख्यावाचक** विशेषण होता है, जो दूसरे पद की संख्या (गिनती) को बताता है। इसमें पहला पद ही विशेषण बनकर प्रयोग में आता है; जैसे—'नवग्रह'—नव ग्रहों का समूह।

कर्मधारय समास का एक पद विशेषण होने पर भी संख्यावाचक कभी नहीं होता है। इसमें कोई भी पद दूसरे पद का विशेषण हो सकता है; जैसे—'नवग्रह'—नव हैं जो ग्रह

त्रिभुवन--तीन भुवनों का समूह (द्विगु समास)

त्रिभुवन—तीन हैं जो भुवन (कर्मधारय समास)

नवरत्न—नौ रत्नों का समूह (द्विगु समास)

नवरल—नौ हैं जो रत्न (कर्मधारय समास)

सन्धि और समास में अन्तर

- सन्धि और समास दोनों का अर्थ मेल होता है, परन्तु सन्धि में वर्णों का (परीक्षा + अर्थी = परीक्षार्थी) तथा समास में शब्दों का (प्रति + दिन = प्रतिदिन) आ + अ
 - मेल होता है। अतः समास में दो पदों का योग होता है जबिक सन्धि में दो वर्णों का मेल होता है।
- सिन्ध में वर्णों के योग से वर्ण पिरवर्तन भी होता है, जबिक समास में ऐसा नहीं होता है। समास का विग्रह होता है, जबिक सिन्ध में दो पदों के बीच विच्छेद होता है।

महत्त्वपूर्ण समास विग्रह के उदाहरण

तत्पुरुष समास

नियमाबद्ध

अव्ययीभाव समास

सामासिक पद	विग्रह	सामासिक पद	विग्रह
बारम्बार	बार-बार	अपादमस्तक	पद से लेकर मस्तक तक
प्रत्यक्ष	अक्षि के प्रति	घड़ी-घड़ी	घड़ी के बाद घड़ी
यथाविधि	विधि के अनुसार	निधड़क	बिना धड़क के
बेकाम	काम के बिना	निर्विवाद	बिना विवाद के
प्रत्येक	एक-एक के प्रति	प्रतिमास	हर मास
बेशर्म	बिना शर्म के	अनुकूल	मन के अनुसार
यथाकर्म	कर्म के अनुसार	सरासर	एकदम से
अकारण	बिना कारण के	बीचों-बीच	ठीक बीच में
एकाएक	अचानक ही	हाथों-हाथ	एक हाथ से दूसरे हाथ
परोक्ष	अक्षि (आँख) के परे	यशाशीघ्र	जितना शीघ्र हो
उपकूल	कूल के समीप	बार-बार	हर बार
अभूतपूर्व	जो पूर्व नहीं भूत (हुआ) है	दिनानुदिन	दिन प्रतिदिन
यावज्जीवन	जीवन पर्यंत	अनुरूप	रूप के अनुसार

सामासिक पद विग्रह समास का नाम अग्नि को भक्षण करने वाला अग्निपक्षी कर्म तत्पुरुष गृह को आगत (आया हुआ) कर्म तत्पुरुष गृहागत जल को धारण करने वाला कर्म तत्पुरुष जलधर मुँहतोड़ मुँह को तोड़ने वाला कर्म तत्पुरुष सुख को प्राप्त करने वाला कर्म तत्पुरुष सुख प्राप्त आतपजीवी आतप (धूप) से जीने वाला करण तत्पुरुष अकालपीडित अकाल से पीड़ित करण तत्पुरुष देहचोर देह से चोर करण तत्पुरुष धर्मान्ध धर्म से अंधा करण तत्पुरुष

करण तत्पुरुष

नियम से आबद्ध

52 सामान्य हिन्दी

सामारिक पद विग्रह समास का नाम गोशाला गाय के लिए शाला सम्प्रदान तत्पुरुष गहरूवर्च राह के लिए खर्च सम्प्रदान तत्पुरुष शहरूवर्च राह के लिए खर्च सम्प्रदान तत्पुरुष शहरूवर्च राह के लिए खर्च सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आलय सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आलय सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आकांक्षी सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आकांक्षी सम्प्रदान तत्पुरुष जलजात जल से जात (उत्पन्न) अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष वस्थनमुक्त बन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वनरहित वन से रहित अपादान तत्पुरुष तिपुर का अरि सम्बन्ध तत्पुरुष त्रिपुरारि त्रिपुर का अरि सम्बन्ध तत्पुरुष प्रमोपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष अमेपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष जनन्दमन्न आनन्द में मन्न अधिकरण तत्पुरुष प्रमोपहार प्रेम का अपगार सम्बन्ध तत्पुरुष जनन्दमन्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष प्रमोप रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष प्रमोप रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष अमोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अमोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अन्तम् न पद्म नञ् तत्पुरुष अन्तम् न पद्म नञ् तत्पुरुष अन्तम् न पद्म न्याय नञ् तत्पुरुष अन्तम् न पद्म जन्म तत्पुरुष अन्तम् न पद्म वत्पुरुष अन्तम् न पद्म न्याय नञ् तत्पुरुष अन्तम् न पद्म अन्न तत्पुरुष वर्ष जिसका अर्थ बला गया है तत्पुरुष वर्ष जिसका अर्थ बला गया है तत्पुरुष वर्ष जिसका अर्थ बला गया है तत्पुरुष वर्ष प्रमान करना उपपद तत्पुरुष वर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्म स्वरं प्रमान करने वाला उपपद तत्पुरुष			
मार्ग व्यय मार्ग के लिए व्यय सम्प्रदान तत्पुरुष राहखर्च राह के लिए खर्च सम्प्रदान तत्पुरुष फिरावाय शिव के लिए आलाय सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांशी फल के लिए आकांशी सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांशी फल के लिए आकांशी सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांशी फल के लिए आकांशी सम्प्रदान तत्पुरुष के जात (उत्पन्न) अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष बन्धनमुक्त बन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धनरहित वन से रहित अपादान तत्पुरुष आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष त्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष में में जपहार सम्बन्ध तत्पुरुष वन्धनागार के जात्प सम्बन्ध तत्पुरुष के अरि सम्बन्ध तत्पुरुष के अरि सम्बन्ध तत्पुरुष के अरि सम्बन्ध तत्पुरुष के अरायात्मय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष के अरायात्मय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष के अरायात्मय सम्वन्ध तत्पुरुष के अरायात्मय सम्वन्ध तत्पुरुष के अरायात्मय सम्वन्ध तत्पुरुष के अरायात्मय सम्वन्ध तत्पुरुष के अरायत्मय के आगार सम्बन्ध तत्पुरुष के अरायत्मय के आगार सम्बन्ध तत्पुरुष के अरायत्मय के आगार सम्बन्ध तत्पुरुष के अरायत्मय के आसक्त अधिकरण तत्पुरुष के करायात्मय ने ने ने ने ने ने से अरायत्म अधिकरण तत्पुरुष के अरायत्म के ने में में में अरायत्म के स्वन्ध तत्पुरुष के सम्बन्ध तत्पुरुष के सम्बन्ध तत्पुरुष के ने में में में में से अरायत्म के ने से सिक्य ने ने ने ने ने ने स्वन्ध ने ने ने ने स्वन्ध ने ने ने स्वन्ध ने ने स्वन्ध ने ने से सिक्य ने ने ने से सिक्य ने ने ने सिम ने ने ने सिम ने सिम ने सिम ने ने ने सिम ने सिम ने सिम ने सिम ने सिम नि सिम ने सिम नि सि सिम ने सिम नि सि सिम नि	सामासिक पद	विग्रह	समास का नाम
राहखर्च पह के लिए खर्च सम्प्रदान तत्पुरुष फिरालय शिव के लिए आलय सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आलांक्षी सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आलांक्षी सम्प्रदान तत्पुरुष कियाहीन क्रिया से हीन अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष बन्धनमुक्त बन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वनरहित वन से रहित अपादान तत्पुरुष आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष त्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष में में के च्यात का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष के अरि सम्बन्ध तत्पुरुष के अरादान के आगार सम्बन्ध तत्पुरुष के आगन्दमंन अगनन्द में मन्न अधिकरण तत्पुरुष के अरावन्दमन्न आनन्द में मन्न अधिकरण तत्पुरुष के अरावन्दमन्न अगनन्द में मन्न अधिकरण तत्पुरुष के प्रतायका एवं में आसकत अधिकरण तत्पुरुष के प्रतायका मृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष के अरावेश मृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष के अरावेश मृह में प्रवेश मृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष के अरावेश मृह में प्रवेश मृह में प्रवेश के प्रविद्या मृह में प्रवेश मृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष के अरावेश मृह में प्रवेश मृह मुक्ष मृह में प्रवेश मृह मुक्ष मृह मृह मृह मृह मृह मृह मृह मुक्ष मृह			सम्प्रदान तत्पुरुष
शिवालय शिव के लिए आलय सम्प्रदान तत्पुरुष फलाकांक्षी फल के लिए आकांक्षी सम्प्रदान तत्पुरुष क्रिया से हीन अपादान तत्पुरुष क्रिया से हीन अपादान तत्पुरुष हर्म च्युत अपादान तत्पुरुष हर्म च्युत अपादान तत्पुरुष हर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष वन्धनमुक्त वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धनमुक्त वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धन का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष जानन्द का आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष वन्धायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष वन्धन मं आवानन्द मं मग्न अधिकरण तत्पुरुष अपित्र रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष प्रमानवन्धन पर में वीर अधिकरण तत्पुरुष पर मं वार्च मं प्रमें प्रमें प्रमें पर मं वार्च मं से	मार्ग व्यय	मार्ग के लिए व्यय	सम्प्रदान तत्पुरुष
फलाकांक्षी फल के लिए आकांक्षी सम्प्रदान तत्पुरुष किया से हीन अपादान तत्पुरुष जलजात जल से जात (उत्पन्न) अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष बन्धनमुक्त बन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धनसुक्त बन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धनसुक्त वन से रिहत अपादान तत्पुरुष आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष अपि सम्बन्ध तत्पुरुष जान्दमठ आनन्द का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष अमेणदार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष अपि सम्बन्ध तत्पुरुष प्रवासकत फल में आसक्त अपि स्वरुण तत्पुरुष प्रवासकत फल में आसक्त अपि स्वरुण तत्पुरुष पृह्मप्रवेश गृह में प्रवेश अपि स्वरुण तत्पुरुष पृह्मप्रवेश गृह में प्रवेश अपि स्वरुण तत्पुरुष अपि सम्बन्ध तत्पुरुष ने चल ने तत्पुरुष ने ने स्वर्ण में स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण ने स्वर्ण नि स्वर्ण नि स्वर्ण स्वर्ण ने स्वर्ण	राहखर्च	राह के लिए खर्च	सम्प्रदान तत्पुरुष
क्रियाहीन क्रिया से हीन अपादान तत्पुरुष जलजात जल से जात (उत्पन्न) अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष वन्धनमुक्त वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वनरिहत वन से रहित अपादान तत्पुरुष आनन्दमठ आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष जिपुर का अरि सम्बन्ध तत्पुरुष मेमोपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष कमानन्दमन्न आनन्दमन्न आनन्द में मन्न अधिकरण तत्पुरुष कमानन्दमन्न आनन्दमन्न आनन्द में मन्न अधिकरण तत्पुरुष कमानन्दमन्न अनित्दमन्न में वीर अधिकरण तत्पुरुष मुहमें प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष मुहमें प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अभिक्र निव्याजनिव मेम मेम निव्याजनिव मेम निव्याजनिव मेम निव्याजनिव मेम निव्याजनिव मेम निव्याजनिव मेम निव्याजनिव मेम मेम निव्याज	शिवालय	शिव के लिए आलय	सम्प्रदान तत्पुरुष
जलजात जल से जात (उत्पन्न) अपादान तत्पुरुष धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धन से पहित अपादान तत्पुरुष जानन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष त्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष मेमोपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष जानन्दमन आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष जानन्दमन आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष प्राप्तियत एण में वीर अधिकरण तत्पुरुष प्राप्तिय रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष प्राप्तिय रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष प्राप्तिय रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष अभिक्त प्राप्तिय रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष अभिक्र न्याय न्या	फलाकांक्षी	फल के लिए आकांक्षी	सम्प्रदान तत्पुरुष
धर्मच्युत धर्म से च्युत अपादान तत्पुरुष वन्धनमुक्त वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वन्धनमुक्त वन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष अगन्दमत त्युरुष अगन्दमत अगन्दमत अगन्दमत अगन्दमत अगन्दमत अगन्दमत अगन्दमत का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष त्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष अगन्दमन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष अगन्दमन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष अगन्दमन आनन्दमन आगन्दमं मन्न अधिकरण तत्पुरुष अगन्दमन अगन्दमं मन्न अधिकरण तत्पुरुष प्रमान्दमन अगन्दमं मं अग्रिकरण तत्पुरुष अग्रिकरण तत्पुरुष गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अग्रोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अग्राचर न गाचर नञ् तत्पुरुष अग्राचर न गल्प नञ् तत्पुरुष अग्राचर न ग्रावर्म नञ् तत्पुरुष नञ् तत्पुरुष नञ् तत्पुरुष नञ् तत्पुरुष नग् पढ् नञ् तत्पुरुष अग्राच न न्याय नञ् तत्पुरुष नञ् तत्पुरुष जन्त नञ् तत्पुरुष न्यर्य नम्म करना उपपद तत्पुरुष न्यर्य नम्म करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्म करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्पर नम्म में विवरण करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्म में विवरण करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्यर्य नम्म में विवरण करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्यर्य नम्म में विवरण करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्म में विवरण करने वाला उपपद तत्पुरुष नम्पर नम्पर्य नम्पन्य नम्पर्य नम्पर्य नम्पर्य नम्पन्य नम्पर्य नम्पर्	क्रियाहीन	क्रिया से हीन	अपादान तत्पुरुष
बन्धनमुक्त बन्धन से मुक्त अपादान तत्पुरुष वनरहित वन से रहित अपादान तत्पुरुष आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष त्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष सम्बन्ध तत्पुरुष यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष सम्बन्ध तत्पुरुष कम्प्राण्य प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष अभिप्राण्य सम्बन्ध तत्पुरुष सम्बन्ध तत्पुरुष अभिप्राण्य सम्बन्ध तत्पुरुष अभिप्राण्य सम्बन्ध तत्पुरुष अभिन्दमग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष एकासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष एक्याय न्याय त्यापुरुष प्याय तत्पुरुष प्याय प्याय प्याय प्याय तत्पुरुष प्याय तत्पुरुष प्याय तत्पुरुष प्याय प्याय प्याय प्याय प्याय प्याय तत्पुरुष प्याय प्य	जलजात	जल से जात (उत्पन्न)	अपादान तत्पुरुष
वनरहित वन से रहित अपादान तत्पुरुष आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष निपुरारि त्रिपुर का अरि सम्बन्ध तत्पुरुष में प्रोप्तार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष कम्भापहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष कम्भापहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष कम्भापहार अम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष कम्भापहार अम का अपार सम्बन्ध तत्पुरुष आनन्दमग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष एण में वीर अधिकरण तत्पुरुष गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर ने गोचर ने तत्पुरुष अमल ने चल ने तत्पुरुष अमल ने चल ने तत्पुरुष अमल ने चल ने तत्पुरुष अगयाय ने न्याय ने तत्पुरुष अगवत्र ने पढ़ ने तत्पुरुष अगवत्र ने पढ़ ने तत्पुरुष अगवत्र ने पवित्र ने तत्पुरुष जन्तत्पुरुष निया जाने वाला दान अश्व जला गया है जुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाला मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग प्रवर्ग प्यान करना जपपद तत्पुरुष वर्मकार वर्म का काम करने वाला जपपद तत्पुरुष वर्मकार वर्म का काम करने वाला जपपद तत्पुरुष वर्मकार ने में विचरण करने वाला जपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वर्म स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं वाला जपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला जपपद तत्पुरुष स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला उपपद तत्पुरुष स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं ने वाला उपपद तत्पुरुष स्वरं ने वाला स्वरं	धर्मच्युत	धर्म से च्युत	अपादान तत्पुरुष
आनन्दमठ आनन्द का मठ सम्बन्ध तत्पुरुष त्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष वन्धनागार बन्धन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष आनन्दमंन अधिकरण तत्पुरुष आनन्दमंन अगनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष प्रमानक्ष पर्णा में वीर अधिकरण तत्पुरुष प्रमानक्ष पृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नज्ञ तत्पुरुष अगोचर न गोचर नज्ञ तत्पुरुष अगमिञ्च न अभिञ्च नज्ञ तत्पुरुष अगमिञ्च न अभिञ्च नज्ञ तत्पुरुष अगमिञ्च न पढ़ नज्ञ तत्पुरुष अगमिञ्च न पढ़ नज्ञ तत्पुरुष अगमिञ्च न पढ़ नज्ञ तत्पुरुष अगमिञ्च न पवित्र नज्ञ तत्पुरुष जनन्त नज्ञ तत्पुरुष तत्पुरुष अगमिञ्च न पवित्र नज्ञ तत्पुरुष जनन्त नज्ञ तत्पुरुष प्रमान वाला दान अश्वगैस अश्व लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग पस्वर्ग पमन करना उपपद तत्पुरुष वर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्मकार वर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्मकार स्वर्ग एम में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वर्म स्वरं मम्बर स्वरं स्वरं रहने वाला उपपद तत्पुरुष उपपद तत्पुरुष स्वर्म स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं निवरं वाला उपपद तत्पुरुष स्वरं स्वर	बन्धनमुक्त	बन्धन से मुक्त	अपादान तत्पुरुष
त्रिपुरारि त्रिपुर का अरि सम्बन्ध तत्पुरुष प्रेमोपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष बन्धनागार बन्धन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष अनन्दमंग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष गृहमवेश गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर न गंचर न नञ् तत्पुरुष अनम्ब अनम्ब न अभिज्ञ न पढ़ न नञ् तत्पुरुष अन्य अग्व न न पढ़ न नञ् तत्पुरुष अन्य अगवत न पवत न नञ् तत्पुरुष अनम्ब अगवत न पवत न अन्त न अन्त न अन्त न अन्त त्वादान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस ल्प्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी स्वर्य गमन करना उपपद तत्पुरुष वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म वर्म	वनरहित	वन से रहित	अपादान तत्पुरुष
न्यायालय न्याय का आलय सम्बन्ध तत्पुरुष प्रेमोपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष बन्धनागार बन्धन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष आनन्दमग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष एणवीर रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष अधिकरण तत्पुरुष गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अचल न चल नञ् तत्पुरुष अनाचर न अभिज्ञ नञ् तत्पुरुष अनापह न पढ़ नञ् तत्पुरुष अनापह न पढ़ नञ् तत्पुरुष अनापह न पवित्र नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अनत्त न अन्त न चल नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष जन्मत न जन्त न न ज्व तत्पुरुष जन्म ज्व तत्पुरुष जन्म ज्व तत्पुरुष जन्म ज्व तत्पुरुष जन्म ज्व तत्पुरुष जिसका अर्थ चला गया है जुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी जुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वर्ग गमन करना उपपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वर्ग गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चरने वाला उपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वर्भ स्वर्थ स्वर्भ स्वरंग करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वर्थ स्वर्भ स्वर्थ स्वर्भ स्वरंग चरने वाला उपपद तत्पुरुष स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर	आनन्दमठ	आनन्द का मठ	सम्बन्ध तत्पुरुष
प्रेमोपहार प्रेम का उपहार सम्बन्ध तत्पुरुष बन्धनागार बन्धन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष आनन्दमग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष एणवीर रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष गृह में प्रवेश न्यू तत्पुरुष गृह में प्रवेश नय् तत्पुरुष गृह में प्रवेश नयाय नयाय नयाय नय् तत्पुरुष गृह तत्पुरुष गृह स्वर्ण वत्पुरुष वत्पुरुष वत्पुरुष वत्पुरुष वत्पुरुष विद्या जाने वाला दान अशुगैस अशु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष मुम्बर्खी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण प्रवेश नया प्रवेश स्वर्ण प्रवेश स्वर्ण प्रवेश स्वर्ण प्रवेश स्वर्ण प्रवेश वाला उपपद तत्पुरुष वर्णपद त्रपुरुष स्वर्ण प्रवेश वर्णपद तत्पुरुष वर्णपद तत्पुरुष स्वर्ण मम्बर्ण ममं में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वर्ण	त्रिपुरारि	त्रिपुर का अरि	सम्बन्ध तत्पुरुष
बन्धनागार बन्धन का आगार सम्बन्ध तत्पुरुष आनन्दमग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासकत फल में आसकत अधिकरण तत्पुरुष एणतीर रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अगवल न चल नञ् तत्पुरुष अनिभन्न नञ् तत्पुरुष अनिभन्न नग् अभिन्न नञ् तत्पुरुष अनिभन्न नग् तत्पुरुष तत्पुरुष तिया जाने वाला दान अश्वरी जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष सर्वा पानाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष सर्वा प्वा काम करने वाला उपपद तत्पुरुष विनकर विन को करने वाला उपपद तत्पुरुष विनकर विन को करने वाला उपपद तत्पुरुष त्व विनकर विन को करने वाला उपपद तत्पुरुष वस्थ उपपद तत्पुरुष वस्थ विनकर विन को करने वाला उपपद तत्पुरुष वस्थ वस्थ वस्थ वस्थ वस्थ वस्थ वस्थ वस्य वस्य वस्य वस्य वस्य वस्य वस्य वस्य	न्यायालय	न्याय का आलय	सम्बन्ध तत्पुरुष
आनन्दमग्न आनन्द में मग्न अधिकरण तत्पुरुष फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष रणवीर रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष गृहप्रवेश गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अचल न चल नञ् तत्पुरुष अनिभन्न न अभिन्न नञ् तत्पुरुष अन्पढ़ न पढ़ नञ् तत्पुरुष अन्यय न न्याय नञ् तत्पुरुष अन्यय न न्याय नञ् तत्पुरुष अन्ताय न न्याय नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्वादान पुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष रवस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	प्रेमोपहार	प्रेम का उपहार	सम्बन्ध तत्पुरुष
फलासक्त फल में आसक्त अधिकरण तत्पुरुष रणवीर रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष गृहप्रवेश गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अगोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अचल न चल नञ् तत्पुरुष अनिमन्न न अभिन्न नञ् तत्पुरुष अनपढ़ न पढ़ नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्वादान तुला के बराबर करके तुप्तपद तत्पुरुष विया जाने वाला दान अश्रुगेस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष सर्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष विनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	बन्धनागार	बन्धन का आगार	सम्बन्ध तत्पुरुष
रणवीर रण में वीर अधिकरण तत्पुरुष गृहप्रवेश गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नञ् तत्पुरुष अचल न चल नञ् तत्पुरुष अचल न चल नञ् तत्पुरुष अनिम्न नञ् तत्पुरुष अनापढ़ न पढ़ नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्याय न व्याय नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्याय न व्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष त्याय न व्याय नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्याय न व्याय नञ् तत्पुरुष त्याय न व्याय नञ् तत्पुरुष त्याय न अन्त नञ् तत्पुरुष विया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर विन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	आनन्दमग्न	आनन्द में मग्न	अधिकरण तत्पुरुष
गृहप्रवेश गृह में प्रवेश अधिकरण तत्पुरुष अगोचर न गोचर नज्ञ तत्पुरुष अचल न चल नज्ञ तत्पुरुष अनिभन्न न अभिन्न नज्ञ तत्पुरुष अनपढ़ न पढ़ नज्ञ तत्पुरुष अन्याय न न्याय नज्ञ तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नज्ञ तत्पुरुष अनन्त न अन्त नज्ञ तत्पुरुष अनन्त न अन्त नज्ञ तत्पुरुष त्याय न ग्वाय नज्ञ तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नज्ञ तत्पुरुष अनन्त न अन्त नज्ञ तत्पुरुष त्याय ना वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष वर्म स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर विन को करने वाला उपपद तत्पुरुष रवस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	फलासक्त	फल में आसक्त	अधिकरण तत्पुरुष
अगोचर न गोचर नज् तत्पुरुष अचल न चल नञ् तत्पुरुष अनिभन्न न अभिन्न नञ् तत्पुरुष अनपढ़ न पढ़ नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्रुष्ठ न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष सर्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष विनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभवर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	रणवीर	रण में वीर	अधिकरण तत्पुरुष
अचल न चल नञ् तत्पुरुष अनिम्न नञ् तत्पुरुष अनिम्न नञ् तत्पुरुष अनपढ़ न पढ़ नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष त्वादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष विया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	गृहप्रवेश	गृह में प्रवेश	अधिकरण तत्पुरुष
अनिभन्न न अभिन्न नज् तत्पुरुष अनपढ़ न पढ़ नज् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नज् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नज् तत्पुरुष अपनित्र न अन्त नज् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नज् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष वर्ध जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष विनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अगोचर	न गोचर	नञ् तत्पुरुष
अनपढ़ न पढ़ नञ् तत्पुरुष अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके तुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष वर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष वर्मकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अचल	न चल	नञ् तत्पुरुष
अन्याय न न्याय नञ् तत्पुरुष अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष विनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अनभिज्ञ	न अभिज्ञ	नञ् तत्पुरुष
अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अनपढ़	न पढ़	नञ् तत्पुरुष
अपवित्र न पवित्र नञ् तत्पुरुष अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अन्याय	न न्याय	नञ् तत्पुरुष
अनन्त न अन्त नञ् तत्पुरुष तुलादान तुला के बराबर करके लुप्तपद तत्पुरुष दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अपवित्र	न पवित्र	
दिया जाने वाला दान अश्रुगैस अश्रु लाने वाली गैस लुप्तपद तत्पुरुष व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अनन्त	न अन्त	
व्यर्थ जिसका अर्थ चला गया है लुप्तपद तत्पुरुष मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	तुलादान	तुला के बराबर करके दिया जाने वाला दान	लुप्तपद तत्पुरुष
मधुमक्खी मधु एकत्र करने वाली मक्खी लुप्तपद तत्पुरुष मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	अश्रुगैस	अश्रु लाने वाली गैस	लुप्तपद तत्पुरुष
मालगाड़ी माल ढोने वाली गाड़ी लुप्तपद तत्पुरुष स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	व्यर्थ	जिसका अर्थ चला गया है	लुप्तपद तत्पुरुष
स्वर्ग स्वयं गमन करना उपपद तत्पुरुष चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	मधुमक्खी		लुप्तपद तत्पुरुष
चर्मकार चर्म का काम करने वाला उपपद तत्पुरुष दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नम में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष	मालगाड़ी	माल ढोने वाली गाड़ी	लुप्तपद तत्पुरुष
दिनकर दिन को करने वाला उपपद तत्पुरुष नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष			-
नभचर नभ में विचरण करने वाला उपपद तत्पुरुष स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्पुरुष			
स्वस्थ स्व में स्थित रहने वाला उपपद तत्युरुष	दिनकर		
			-
		स्व में स्थित रहने वाला	उपपद तत्पुरुष

कर्मधारय समास

सामासिक पद	विग्रह	सामासिक पद	विग्रह
वीरबाला	वीर है जो बाला	भक्तिसुधा	भक्ति रूपी सुधा
छुटभैया	छोटा है जो भैया	महाकवि	महान है जो कवि

सामासिक पद	विग्रह	सामासिक पद	विग्रह
मृगनयन	मृग के समान नयन	पीतसागर	पीत है जो सागर
किसलयकोमल	किसलय के समान कोमल	परमेश्वर	परम है जो ईश्वर
प्राणधन	प्राणरूपी धन	नीलोत्पल	नील है जो उत्पल (कमल)
मुखारविन्द	अरविन्द के समान मुख	संसार सागर	संसार रूपी सागर

द्विगु समास

सामासिक पद	विग्रह	सामासिक पद	विग्रह
अठन्नी	आठ आनों का समाहार	पंचपात्र	पाँच पात्रों का समाहार
अष्टधातु	आठ धातुओं का समाहार	पंचमुख	पाँच मुख का समाहार
तिकोना	तीन कोनों का समाहार	सतसई	सात सौ (दोहा आदि) का समाहार
चौराहा	चार राहों का समाहार	चवन्नी	चार आनों का समाहार
छमाही	छः माह का समाहार	सप्तशती	सात सौ (श्लोक आदि) का समाहार

द्वन्द्व समास

सामासिक पद	विग्रह	सामासिक पद	विग्रह
घर-द्वार	घर और द्वार	गाय-बैल	गाय और बैल
घर-संसार	घर और संसार	दालरोटी	दाल और रोटी
लोटा-डोरी	लोटा और डोरी	अमीर-गरीब	अमीर और गरीब
लव-कुश	लव और कुश	राम-कृष्ण	राम और कृष्ण
नमक-मिर्च	नमक और मिर्च	भाई-बहन	भाई और बहन
भला-बुरा	भला और बुरा	माता-पिता	माता और पिता

बहुव्रीहि समास

सामासिक पद	विग्रह
वीणापाणि	वीणा है पाणि (हाथ) में जिसके अर्थात् सरस्वती
नीलाम्बर	नीला है अम्बर जिसका अर्थात् बलराम
घनश्याम	घन के समान श्याम है जो अर्थात् श्रीकृष्ण
चक्रधर	चक्र को जो धारण करता है अर्थात् विष्णु
ज ल ज	जल में उत्पन्न होता है जो अर्थात् कमल
जलद	जल देता है जो अर्थात् बादल
खगेश	खगों का ईश है जो अर्थात् गरुड़
कपीश	कपियों (बन्दरों) में ईश है जो अर्थात् हनुमान

वस्तुनिष्ठ प्रश्नावली

1.	जब प्रथम शब्द संख्यावाची और	द्वितीय शब्द संः	ज्ञा हो, तो कौन-सा	14.	'मृगनयन' में समास है		(UPSSSC 2016)
	समास होता है?		(UPTET 2019)		(a) अव्ययीभाव	(b) कर्मधारय	
	(a) द्विगु (b) कर्मधारय	(c) तत्पुरुष	(d) बहुव्रीहि		(c) तत्पुरुष	(d) द्वन्द्व	
2.	'आपबीती' शब्द में समास है		(UPTET 2020)	15.	किस शब्द में तत्पुरुष समास है?		(UPTET 2020)
	(a) द्वन्द्व समास	(b) कर्मधारय स	•		(a) दौड़धूप	(b) त्रिभुवन	
		(d) द्विगु समास			(c) पीताम्बर	(d) मधुमक्खी	
3.	'धानकोठी' में कौन-सा समास है?		(CGPSC Pre 2020)	16.	निम्नलिखित में द्वन्द्व समास है		(MPPSC Pre 2016)
	(a) अव्ययीभाव	(b) कर्मधारय	(,		(a) यथासम्भव	(b) देशभक्ति	
	(c) तत्पुरुष	(d) द्विगु			(c) देशविदेश	(d) पीताम्बर	
4.	'चरणकमल' में समास है		(UPPSC Pre 2018)	17.	समास के कितने भेद हैं?		(CGPSC Pre 2020)
	(a) कर्मधारय	(b) बहुव्रीहि	(0.1.2.1.2.2.0,		(a) तीन (b) चार	(c) पाँच	(d) छ:
	(c) द्वन्द्व	(d) तत्पुरुष		18.	किस समास में शब्दों के मध्य में	संयोजक शब्द व	हा लोप होता है?
5.	इनमें से कौन-सा कथन पूरी तरह	तत्परुष समास र	ने सम्बन्धित है?	10.	(a) द्विगु	(b) तत्पुरुष	
			सहायक परीक्षा 2020)		(c) द्वन्द	(d) अव्ययीभाव	
	(a) इसमें पूर्व पद प्रधान होता है			19.	पूर्वपद संख्यावाची शब्द है		(UPTET 2016)
	(b) इसमें पूर्व पद संख्यावाची होता है			10.	(a) अव्ययीभाव	(b) ਫ਼ - ਫ਼	(07/12/2010)
	(c) इसमें प्रायः उत्तर पद प्रधान होत (d) इसमें पूर्व पद अव्यय होता है	II &			(c) कर्मधारय	(d) द्विगु	
•		}		20	'अनुरूप' समस्त पद में कौन-सा		(UPTET 2016)
6.	जिस सामासिक शब्द में पूर्व पद उ			20.	(a) तत्पुरुष	(b) कर्मधारय	(OPTET 2016)
	तीसरा पद प्रधान होता है, वहाँ की	न-स समास ह UPSSSC कनिष्ठ ह	त। ह <i>!</i> सहायक परीक्षा 2020)		(c) अव्ययीभाव	(d) बहुव्रीहि	
			(d) द्वन्द्व	21	'देशान्तर' में कौन–सा समास है?	_	गल थर्नी परीक्षा २०१६)
7	योगी शिवेन्द्र कुशासन पर विराजम	-	पट में समास है	-1.	(a) बहुव्रीहि	(b) द्विगु	1101 -1011 101411 2013)
••			(HTET 2018)		(c) द्वन्द्व	(d) कर्मधारय	
		(b) कर्मधारय		22.	'चौमासा' में समास है	(DSSSB असिस्	हेंट टीचर परीक्षा 2015)
_	(c) बहुव्रीहि	(d) द्वन्द्व ्	, , , ,		(a) द्वन्द्व	(b) कर्मधारय	, o 0141 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1 1
8.	दो-या-दो से अधिक शब्दों के मे				(c) द्विगु	(d) तत्पुरुष	
			नमूह-घ' परीक्षा 2019)	23.	'पंचामृत' में कौन-सा समास है?		(CGPSC परीक्षा 2015)
	. ,	(c) विशेषण	(d) रस		(a) तत्पुरुष	(b) द्वन्द्व	(00:00:1
9.	द्विगु समास के उदाहरण चुनिए				(c) कर्मधारय	(d) द्विगु	
	(a) चौमासा (b) नवरत्न			24.	'त्रिवेणी' शब्द में कौन-सा समास	है? (UPSSSC	लेखपाल परीक्षा 2015)
10.	'यथासम्भव' में कौन-सा समास है	? (UPSSSC VDO 2017)		(a) द्वन्द्व	(b) कर्मधारय	,
	(a) अव्ययीभाव (b) कर्मधारय	(c) तत्पुरुष	(d) द्विगु		(c) बहुव्रीहि	(d) द्विगु	
11.	'देशनिकाला' का सामासिक विग्रह	होगा		25.	'देव जो महान् है' यह किस समार	प का उदाहरण	है?
	` `		सायिक परीक्षा 2017)			(UPSSSC कनिष्ठ	सहायक परीक्षा 2015)
	(a) देश का निकला (c) देश में निकाला	(b) देश में निकल (d) देश से निका			(a) तत्पुरुष	(b) अव्ययीभाव	
		` '			(c) कर्मधारय	(d) बहुव्रीहि	
12.	'पंचपात्र' में कौन–सा समास है?		वसायिक परीक्षा 2017)	26.	'योगदान' में कौन–सा समास है?	0	0 -
	(a) कर्मधारय समास	(b) द्वन्द्व समास	JJ		(a) बन्दीनि		सहायक परीक्षा 2015)
1.0	(c) द्विगु समास	(d) तत्पुरुष समा			(a) बहुव्रीहि (c) तत्पुरुष	(b) अव्ययीभाव (d) कर्मधारय	
13.	'कर्मधारय' और 'द्विगु' समास आते	ह (मध्य प्रदेश विष	स्तार अधिकारी 2017)	0=	-		
	(a) अव्ययीभाव समास के अन्तर्गत (b) बहुव्रीहि समास के अन्तर्गत			27.	निम्नलिखित में कर्मधारय समास रि		ोधी भर्ती परीक्षा 2014)
	(c) द्वन्द्व समास के अन्तर्गत				(a) चक्रपाणि	(b) चतुर्युग	
	(d) तत्पुरुष समास के अन्तर्गत				(c) नीलोत्पल	(d) माता-पिता	
	-				. ,	` '	

54 सामान्य हिन्दी

28.	3	(उपनिरीक्षक सीधी भर्ती परीक्षा 2014)	45.	'गंगाजल' शब्द में समास का भेद		(UP वन विभाग 2015)
90	(a) कर्मधारय (b) बहुव्रीहि कौन-सा शब्द बहुव्रीहि समास का			(a) तत्पुरुष (c) अव्ययीभाव	(b) द्वन्द्व (d) कर्मधारय	
49.	कान-सा राज्य बहुआह समास का	(उपनिरीक्षक सीधी भर्ती परीक्षा 2014)	46.	'वाचस्पति' किस समास का समस	तपद है?	
	(a) निशिदिन (b) त्रिभुवन	(c) पंचानन (d) पुरुषसिंह				नेखपाल परीक्षा 2015)
30.		(उपनिरीक्षक सीधी भर्ती परीक्षा 2014)		(a) नञ् तत्पुरुष (c) सम्बन्ध तत्पुरुष	(b) अलुक् तत्पुः (d) बहुव्रीहि	रुष
	(a) बहुव्रीहि (c) अव्ययीभाव	(b) तत्पुरुष (d) द्विगु	47	'निर्विवाद' में समास है	(d) Igame	(UPTET 2013)
01	'भाई–बहन' में कौन–सा समास है	-	111	(a) कर्मधारय	(b) अव्ययीभाव	
31.		: ? (c) अव्ययीभाव (d) द्विगु		(c) तत्पुरुष	(d) बहुव्रीहि	
32	_	(RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2001)	48.	निम्न में तत्पुरुष समास का उदाह	रण है	(UPTET 2013)
02.		(b) घट में स्वर्ण		(a) एकतरफा	(b) धनंजय	
	(c) स्वर्ण का घट	(d) घट के लिए स्वर्ण	40	(c) आत्मनिर्भर	(d) वक्रतुण्ड	
33.	अव्ययीभाव समास का उदाहरण ह		49.	'उपकूल' में कौन–सा समास है? (a) द्वन्द्व	(b) द्विगु	(UPTET 2014)
		(RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2001) (c) त्रिभुवन (d) छत्रधारी		(c) अव्ययीभाव	(b) 1क्ष पु (d) तत्पुरुष	
34		(RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2001)	50.	'पतझड़' में समास है	., 0	(REET 2016)
94.	(a) द्वन्द्व (b) द्विगु	(c) कर्मधारय (d) तत्पुरुष		(a) करण तत्पुरुष	(b) कर्म तत्पुरुष	
35.	पीताम्बर में समास है	(UP बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2010)		(c) बहुव्रीहि	(d) <u>ਫ਼</u> ਾਫ਼	
331	(a) तत्पुरुष (b) अव्ययीभाव		51.	'नीलकमल' में कौन-सा समास है		
36.	तत्पुरुष समास है			(a) बहुव्रीहि (b) कर्मधारय	(c) द्विगु	(d) <u>ਛ</u> ਾਛ
	(a) शताब्दी (b) चौमासा	(c) भाई-बहन (d) पदप्राप्त	निर्देश	शे (प्र.सं. 52-53) उपयुक्त समा	स चिह्नित कीजि	ए।
37.	'गर्व शून्य' शब्द में समास है	(UP बी.एड. प्रवेश परीक्षा 2010)	52.	पथभ्रष्ट	(UPSSSC कनिष्ठ	सहायक परीक्षा 2016)
	(a) कर्म तत्पुरुष	(b) करण तत्पुरुष		(a) द्वन्द्व	(b) तत्पुरुष	
-	(c) सम्प्रदान तत्पुरुष	(d) अपादान तत्पुरुष	5 0	(c) कर्मधारय	(d) अव्ययीभाव	0 -
38.	'रसगुल्ला' में कौन–सा समास है? (a) तत्पुरुष	(b) बहुव्रीहि	53.	अष्टाध्यायी (a) द्विगु	(upsssc कनिष्ठ (b) कर्मधारय	सहायक परीक्षा 2016)
	(c) अव्ययीभाव	(d) द्विगु		(c) तत्पुरुष	(d) बहुव्रीहि	
39.	निम्नलिखित में से किस शब्द में व		54.	निम्नांकित में द्विगु समास नहीं है		IPPSC Pre 2016, 15)
		(RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2011)		(a) शताब्दी	(b) नकटा	
	(a) यज्ञशाला (b) स्वधर्म			(c) अष्टभुजा	(d) चतुर्भुज	
40.		(RPSC पुलिस सब-इंस्पेक्टर परीक्षा 2011)	55.	'मृत्युंजय' पद में कौन-सा सही ह		(UPTET 2018)
	(a) पहला पद प्रधान होता है (c) दोनों पद प्रधान होते हैं	(b) दूसरा पद प्रधान होता है (d) प्रथम एवं ज़तीय पद प्रधान होते हैं		(a) द्विगु (c) बहुव्रीहि	(b) कमधारय (d) द्वन्द्व	
41.	'राजपुत्र' शब्द में कौन–सा समास	- · है?	56	'यावज्जीवन' पद में समास है	(-) ≪ ⋖	(HTET 2018)
	(a) बहुव्रीहि	(b) तत्पुरुष	00.	(a) अव्ययीभाव	(b) तत्पुरुष	(11121 2010)
	(c) द्विगु	(d) कर्मधारय		(c) कर्मधारय	(d) बहुव्रीहि	
42.	'हाथोंहाथ' शब्द में प्रयुक्त समास	है EECG परीक्षा HP इलेक्शन कानूनगो 2010)	57.	निम्नांकित में से किस शब्द में त	त्पुरुष समास है?	(UPTET 2017)
	(a) अव्ययीभाव	(b) तत्पुरुष		(a) वाचस्पति	(b) घनश्याम	
	(c) द्वन्द्व	(d) द्विगु	5 0	(c) त्रिभुवन	(d) चन्द्रशेखर	
43.	'पंचानन' में कौन–सा समास है?	(UP वन विभाग 2015)	58.	'वनगमन' में समास है (a) द्वन्द्व समास	(b) तत्पुरुष सम	(CGTET 2017) गरम
	(a) तत्पुरुष	(b) बहुव्रीहि		(c) कर्मधारय	(d) अव्ययीभाव	
_	(c) कर्मधारय	(d) द्विगु	59.	सप्तर्षि में समास है		(UPPCS 2016)
44.	'सतसई' में कौन–सा समास है?	(CGPSC Pre 2016/UP वन विभाग 2015)		(a) कर्मधारय	(b) तत्पुरुष	
	(a) कर्मधारय (c) द्वन्द्व	(b) द्विगु (d) तत्पुरुष		(c) <u>द्</u> रन्द्व	(d) द्विगु	
		~				

55

60. 'अजातशत्रु' में कौन-सा समास है? (a) तत्पुरुष (b) द्वन्द्व (c) कर्मधारय	(UPTET 2016) 66. निम्नांकित शब्दों में से 'सम्बन्ध बहुव्रीहि' (d) बहुव्रीहि (a) दशानन (b) लुप्तपद (c) प्राप	प्तोदक (d) उपहृतपशु
61. 'चन्द्रशेखर' शब्द में समास है (a) तत्पुरुष (b) द्विगु (c) बहुव्रीहि	(UPTET 2013) 67. कौन-सा शब्द अव्ययीभाव समास का उद (d) कर्मधारय (a) नवग्रह (b) गाँठकर (c) मह	
62. निम्नलिखित में से द्विगु समास का उदाहरण है (a) त्रिभुवन (b) त्रिनेत्र (c) एकदन्त	(HTET 2012) 68. 'यथाशीघ्र' शब्द का समास बताइए। (d) दशानन (a) अव्ययीभाव (b) द्वन्	(UPTET 2011) ⁻ ਫ
63. द्विगु समास का उदाहरण है (a) माता-पिता (b) यथाशक्ति (c) नवग्रह	(c) कर्मधारय (d) तत (d) पीताम्बर 69. 'जनतन्त्र' शब्द निम्नांकित में से किस सम	ास-प्रकार के अन्तर्गत है?
64. निम्न में से किस शब्द में बहुब्रीहि समास है? (a) चौराहा (b) पंसेरी (c) शताब्दी	(a) 11 11 1	(CGTET 2011) र्म तत्पुरुष समास रण तत्पुरुष समास
65. 'पॉकिटमार' शब्द में समास है (a) अव्ययीभाव (b) तत्पुरुष (c) कर्मधारय (d) द्वन्द्व	(CGTET 2011) 70. 'अष्टाध्यायी' में समास है (a) द्वन्द्व (b) द्वि (c) तत्पुरुष (d) कर्	ř

उत्तरमाला

1. (a)	2. (c)	3. (c)	4. (a)	<i>5.</i> (c)	6 . (a)	7. (b)	8. (b)	9. (d)	10. (a)
11. (d)	12. (c)	13. (d)	14. (b)	15. (d)	16. (c)	17. (d)	18. (c)	19. (d)	20 . (c)
21. (d)	22. (c)	23. (d)	24. (d)	25. (c)	26. (d)	27. (c)	28. (b)	29. (d)	30 . (d)
31. (a)	32. (c)	33 . (b)	34. (b)	35. (c)	36 . (d)	37. (b)	38. (a)	39 . (c)	40 . (b)
41 . (b)	42 . (a)	43 . (d)	44. (b)	45 . (a)	46 . (b)	47. (b)	48. (c)	49 . (c)	50 . (c)
51. (b)	52. (b)	53 . (a)	54. (b)	55. (c)	56 . (a)	57. (a)	58. (b)	59. (d)	60 . (d)
61. (c)	62. (a)	63. (c)	64 . (d)	65. (b)	66. (a)	67. (d)	68. (a)	69. (c)	70. (b)